ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-23 मार्च-I, 2017 (पाक्षिक) माउण्ट आबू 8.00

सशक्तिकरण हेतु परमात्म ज्ञान अपरिहार्य

शांतिवन। स्वयं को पहचानने के लिए परमात्मा का ज्ञान होना ज़रूरी है। इससे ही मनुष्य अपने भीतर की शक्तियों को पहचान सकता है और स्वयं को सशक्त बना सकता है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन परिसर में आयोजित 'आत्मा के सशक्तिकरण के लिए परमात्म ज्ञान कितना ज़रूरी' विषयक तीन दिवसीय शिविर के उद्घाटन अवसर पर मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री पारसचंद जैन ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि संस्थान की ओर से मनुष्य जीवन के लिए ज़रूरी 'स्वयं के लिए चिंतन' विषय को लेकर शिविर का आयोजन वाकई सराहनीय है।

संस्थान के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि भगवान धरती पर अवतरित होकर मनुष्य को खुद की शक्तियों की अनुभूति करवा रहे हैं, पर भौतिकवाद के इस दौर में मनुष्य के पास खुद के लिए समय नहीं है। मनुष्य ऐसी चीज़ के पीछे भाग रहा है जो उसकी है ही नहीं। मनुष्य को अब खुद के लिए भी कुछ वक्त निकालकर परमात्म ज्ञान प्राप्त करने का समय आ गया है।

इस समारोह में ब्र.कु. डॉ. निर्मला, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. भरत तथा ब्र.कु. शशिप्रभा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तथा अपने विचार सबके सामने रखे। बड़ी संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इस आध्यात्मिक शिविर का लाभ लिया।

पारसचंद जैन को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. निर्वैर तथा ब्र.कु. डॉ. निर्मला।

नशा मुक्ति अभियान

शिवहर-बिहार। समाहरणालय के मैदान में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'त्रिदिवसीय चरित्र निर्माण आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी एवं नशा मुक्ति अभियान' के कार्यक्रम के उद्घाटन पश्चात् सभा को सम्बोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक प्रकाश नाथ मिश्रा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के शिवहर सेवाकेन्द्र द्वारा नशामुक्ति हेतु चलाया जा रहा अभियान बहुत ही महत्वपूर्ण है। ये संस्था यह कार्य व्यक्तिगत स्तर पर कर रही है और इस प्रयास से व्यक्ति सहज ही इस लत से मुक्त हो जाता है।

जिलापदाधिकारी राजकुमार जी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा न केवल आध्यात्मिक शिक्षाएँ दी जाती हैं, बल्कि श्रेष्ठ समाज के निर्माण में भी इस विश्व विद्यालय की भूमिका सराहनीय है।

इस मौके पर ब्र.कु. भारती, ब्र.कु. उमेश, पूर्व जिला अध्यक्ष अजब लाल चौधरी, ब्र.कु. उदय तथा अन्य अतिथियों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

पुलिस अधीक्षक प्रकाश नाथ मिश्रा को शॉल पहनाकर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. भारती।

तीन देशों के उभरते वैज्ञानिकों को आध्यात्मिक ट्रेनिंग

नासा द्वारा 13वें एशियन रीजनल स्पेस सेटलमेंट डिज़ाइन कॉम्पिटीशन का ओ.आर.सी. में आयोजन

भारत, पाकिस्तान तथा चीन के स्पेस साइंस से जुड़े होवनहार वैज्ञानिकों तथा उनके साथ आये अध्यापकों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. आशा।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। नासा द्वारा आयोजित 13वें एशियन रीजनल स्पेस सेटलमेंट डिज़ाइन कॉम्पिटीशन का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में एशिया के तीन देशों भारत, पाकिस्तान एवं चाइना के तीन सौ छात्र शामिल हुए। छात्रों की पाँच टीम्स बनाई गई। प्रत्येक टीम में लगभग पचास तक छात्र-छात्रायें सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य था बच्चों के अंदर रचनात्मकता, तकनीकी एवं अंतरिक्ष की जानकारी देना। 4 दिवसीय इस प्रतियोगिता में स्कूली स्तर के 10वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाता है। प्रतियोगिता में विशेष रूप से छात्रों को अंतरिक्ष में डिज़ाइन की जाने वाली कॉलोनीज़ के प्रारूप तैयार करवाए जाते हैं। अनीता गेल, नेशनल स्पेस सोसायटी, यू.स.,स्पेस सेटलमेंट डिज़ाइन कॉम्पिटीशन की संस्थापक ने बच्चों को अब तक किये गए विभिन्न कार्य-कलापों से अवगत कराते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के द्वारा बच्चों का रचनात्मक विकास होता है एवं उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में अपनी भूमिकाओं का भी पता चलता है।

ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि मुझे ये देखकर बहुत खुशी होती है कि आज युवाओं के अंदर विज्ञान के प्रति अच्छी रूचि है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के साथ-साथ अगर हम जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों को लेकर चलते हैं तो विज्ञान मानव को एक बेहतर दिशा प्रदान कर सकता है।

मोहम्मद ज़ाहिद,अध्यापक,लाहौर ने कहा कि वो लगातार दस वर्षों से यहाँ आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने प्यार से तो कोई घर पर भी हमारा ध्यान नहीं देता जितने प्यार से हमारी यहाँ खातिरी की गई। यहाँ पर अपने घर से भी अच्छा लगता है।

चीन के विद्यार्थियों ने कहा कि हमें यहाँ का भोजन बहुत अच्छा लगा। सभी ने राजयोग मेडिटेशन में गहन रूचि ली।

कार्यक्रम में ब्र.कु. मोनिका ने सभी को योग के बारे में बताते हुए कहा कि योग से हमारे अंदर एकाग्रता आती है, जिससे चीज़ों को समझने में और भी आसानी होती है। उन्होंने कहा कि साइंस का साइलेंस से बहुत गहरा सम्बंध है। जितना हमारा मन शांत रहता है, उतनी ही हम नए-नए आविष्कार करने के लिए प्रेरित होते हैं।

कार्यक्रम में प्रो. सुहास पेडनेकर ने मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डगलस स्टॉक एवं वैज्ञानिक हीथर पॉल ने भी बच्चों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक,संयोजक, एशियन रीजनल स्पेस सेटलमेंट डिज़ाइन कॉम्पिटीशन ने किया।

इस कॉम्पिटीशन में कल्चर एविएशन टीम विजेता रही। विजेता टीम के सभी सदस्यों को अमेरिका के अंतरिक्ष केन्द्रों को देखने का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता में भाग ले रहे विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष में कॉलोनी बनाने के अनेक प्रारूप तैयार किये। नासा से जुड़े अनेक वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने सभी को उपग्रह संचालन प्रणाली एवं अंतरिक्ष से सम्बन्धित बहुत सी जानकारियाँ भी दी और फिर से यहाँ पर आकर ऐसे आयोजन में सम्मिलित होने की इच्छा जताई।

प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में विज्ञान के प्रति विशेष रूचि पैदा कर उन्हें रचनात्मक बनाना

कॉम्पिटीशन के दौरान कार्यशाला में स्पेस सेटलमेंट डिज़ाइन करते हुए तीन देशों से आये बच्चे।

कार्यक्रम में मोमेन्टो प्राप्त करने के पश्चात् समूह चित्र में प्रतिभागी।